

यूपी के पहले मेगा टेक्सटाइल पार्क में मिलेगा एक लाख को रोजगार

■ अजित खरे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बनने जा रहा नया मेगा इंटिग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन व अपैरल पार्क निवेशकों, कारीगरों, बुनकरों व हस्तशिल्पियों के लिए बड़ी सौगात बनेगा। इसके जरिए करीब एक लाख लोगों को इस उद्योग जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार मिलेगा।

यह पार्क करीब 1000 एकड़ जमीन पर बनेगा। लखनऊ-हरदोई के बीच लगने वाला यह प्रोजेक्ट वस्त्रोद्योग से जुड़े सारे काम व सुविधाएं एक स्थान पर मुहैया कराएगा। योगी सरकार 2.0 ने इससे संबंधित प्रस्ताव हाल ही में केंद्र सरकार को भेज दिया है। पीएम मित्र योजना के तहत देश भर में इस तरह के सात मेगा पार्क बनने हैं। मोदी

सरकार ने इस योजना का ऐलान पिछले दिनों ही किया है। इस योजना के तहत केंद्र सरकार इस पार्क को विकसित करने के लिए राज्य सरकार को वित्तीय सहयोग करेगी। इसके जरिए एक ही स्थान पर कटाई, बुनाई, रंगाई और छपाई से लेकर परिधान निर्माण का काम होगा। वहीं से उसके विपणन, बाजार की व्यवस्था होगी। सारी सुविधाएं एक स्थान पर होने से लाजिस्टिक का खर्च बचेगा।

यह होगा फायदा: इस पार्क के जरिए वस्त्रोद्योग का पूरा बुनियादी ढांचा आधुनिकतम तकनीक के साथ उपलब्ध कराया जाएगा। इस उद्योग में निवेश करने वाले छोटे बड़े उद्यमियों को अपनी यूनिट लगाने की अनुमति होगी और उन्हें सहूलियत भी दी जाएगी।

निवेशकों को मिलेंगी कई तरह की सुविधाएं

यूपी में सात मंडल मुख्यालयों में टेक्सटाइल पार्क बनाने की कवायद चल रही है। सरकार इनके लिए कई रियायतें व सहूलियत मसलन स्टांप ड्यूटी, विद्युत कर, आसान कर्ज आदि देगी। यह पार्क मेरठ, आगरा, झांसी, गोरखपुर, वाराणसी, लखनऊ व कानपुर में बनने हैं।



07

मेगा पार्क देश भर में बनने हैं

ऐसे मिला रोजगार

- यूपी में 2018 में इन्वेस्टर्स समिट हुई थी। उसके बाद से टेक्सटाइल की तीन साल में 15 यूनिट लग चुकी हैं। इनके जरिए 756.91 करोड़ का निवेश हुआ व करीब 4800 को रोजगार मिला
- इसके अलावा 60 निवेश परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। इसमें 8000 करोड़ रुपये का निवेश होना है। इसके जरिए 524087 लोगों को रोजगार मिलने के आसार हैं।

1000

एकड़ जमीन हरदोई लखनऊ के बीच चिह्नित की गई

15 यूनिट

टेक्सटाइल की पिछले तीन साल में यूपी में लग चुकी हैं

CC हम लोगों ने पीएम मित्र योजना के तहत लखनऊ-हरदोई के बीच जमीन चिह्नित कर ली है। यह हर प्रकार से इस मेगा परियोजना के लिए उपयुक्त है। इस पर मेगा टेक्सटाइल पार्क बनाने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को हाल ही में भेज दिया है। इसके जरिए पूरे राज्य के वस्त्रोद्योग व उससे जुड़े लोगों को फायदा होगा। नवनीत सहगल, अपर मुख्य सचिव, हथकरघा व वस्त्रोद्योग